जीवन–वृत्त (BIO-DATA)

1.	नाम	:	डॉ. (श्रीमती) शैल शर्मा
2.	जन्म–तिथि	:	24.06.1960
3.	शैक्षणिक योग्यता	:	1977 हायर सेकेंडरी – उत्तीर्ण 1980 बी.ए. – प्रथम श्रेणी 1982 एम.ए. भाषाविज्ञान – प्रथम श्रेणी 2001 एम.ए. हिंदी – प्रथम श्रेणी 1988 पी–एच.डी. भाषाविज्ञान – 'मानक हिंदी और छत्तीसगढ़ी के समान शब्दों का अर्थवैज्ञानिक अध्ययन'
4.	छात्रवृत्ति	:	1. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति–भोपाल (एम.ए. भाषाविज्ञान) 2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–छात्रवृत्ति, नई दिल्ली (पी–एच.डी.)
5.	प्रथम नियुक्ति तिथि	:	06.04.1988 (अपराह्न) पदनाम – व्याख्याता
6.	पूर्व–धारित पद	:	वरिष्ठ व्याख्याता भाषाविज्ञान एवं भाषाएँ अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (07.04.1993)
		:	रीडर साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (27.07.1998)
7.	वर्तमान पद	:	प्रोफेसर साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (27.07.2006)

8. अध्यापन–अनुभव : स्नातकोत्तर – 24 वर्ष

एम.फ़िल. (हिंदी) – 10 वर्ष

एम.फ़िल. (भाषाविज्ञान) – 02 वर्ष

डिप्लोमा इन हिंदी – 2 वर्ष (1990–1992)

बैंक परीक्षा हेतु हिंदी प्रशिक्षण – 7 दिन (12.11.1992 से 18.11.1992)

बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर (हिंदी) – 1 वर्ष (1998)

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सलाहकार (हिंदी) 2003 से अब तक

9. प्रकाशन

पुस्तक – छत्तीसगढ़ी और हिंदी शब्दार्थ विवेचन, वैभव प्रकाशन, रायपुर (प्रकाशनार्थ)

(क) पुस्तकों में शोध–लेख

1. लिंग : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ (संपा.) चित्तरंजन कर, मिश्रा पुस्तक सदन, प्रताप चौक, सरकंडा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़); 06.10.1993.
2. मानक हिंदी और छत्तीसगढ़ी के सामाजिक शब्दार्थ–भेद : हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना (संपा.) भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली, 60–64, 1994.
3. हिंदी की बोलियों का अंतर्सम्बन्ध (कारक रूपों के संदर्भ में) : हिंदी भाषा की बोलियों का अंतर्सम्बन्ध (संपा.) सरोज मिश्र, शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 63–66, 1996.
4. छत्तीसगढ़ी : **Souvenir, National Seminar on The Emerging Challenges before Indian women (11, 12, 13-12-2001) Centre for women's studies pt. R.S.U., Raipur.**
5. छत्तीसगढ़ी में अभिवादन : छत्तीसगढ़ी अस्मिता, छत्तीसगढ़ी अस्मिता प्रतिष्ठान, रायपुर, संपा. केशरी लाल वर्मा, 306–307, 2002.
6. बहुआयामी व्यक्तित्व : रामकुमार बेहार, रामकुमार बेहार अभिनंदन–ग्रंथ, संपा. ऋषिराज पांडे, छत्तीसगढ़ी शोध–संस्थान, रायपुर, 45–47, 2006.
7. विभु कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : खरे कहते खरी–खरी (स्मृति–ग्रंथ), संपा. डॉ. कुंजबिहारी शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर, 59–60, 2007.
8. डॉ. शंकर शेष और उनके नाटक, छत्तीसगढ़ हिंदी रंगमंच, संपा. कुंजबिहारी शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर 115–118, 2008.

9. सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में नारी, इतिहास में अंकित सुभद्रा की स्मृतियाँ, संपा. जय प्रकाश मिश्रा आदि, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली, 193–199, 2008.
10. मोतियों की माला, पुस्तक समीक्षा, 2011.
11. 'आचार्य द्विवेदी कृत 'हिंदी साहित्य की भूमिका' सांस्कृतिक विमर्श का विशेष परिप्रेक्ष्य' पुस्तक – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सांस्कृतिक विमर्श, प्रकाशक – इंदिराकला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, राजनाँदगाँव, 2012, पृ– 116–125. ISBN -978-81-910545-3-8
12. अनास्था पर आस्था के कवि केदारनाथ अग्रवाल', पुस्तक – जनकवि केदारनाथ अग्रवाल की सौन्दर्य एवं समष्टि दृष्टि, प्रकाशक– इंदिराकला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, राजनाँदगाँव, 2012, पृ– 174–176 ISBN -978-81-910545-4-5
11. 'सात्विक उग्रता एवं स्पष्टवादिता के प्रतीक लक्ष्मण' सहलेखक : डॉ. गिरजाशंकर गौतम, पुस्तक : लोकजीवन में रामकथा (संपा.) डॉ. घनश्याम भारती, जे. टी. एस. पब्लिकेशन्स, वी–508, गली नं.–17, विजय पार्क, दिल्ली, 2018, पृ. 1437145

(ख) पत्र–पत्रिकाओं में शोध–लेख

1. हिंदी में द्विरूक्ति : सहलेखक– चित्तरंजन कर, गवेषणा वर्ष 29, अंक 57–58, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 127–131, 1991.
2. लेना, ले आना तथा आना : वाङ्.मिति (हिंदी व्याकरण की शोध–पत्रिका), संपा. चित्तरंजन कर, रायपुर, अंक–4, 17–19, 1993.
3. छत्तीसगढ़ी व्याकरण और शब्दकोश : सहलेखक – डॉ. रामानुज शर्मा, संकल्प (छत्तीसगढ़ी विशेषांक), संपा. प्रतिभा, हिंदी अकादमी, हैदराबाद, जुलाई–सितंबर, 68–74, 1994.
4. हिंदी की रंजक क्रियाएँ : 'संप्रेषण' (अर्थधार्षिकी शोध–पत्रिका), संपा. चित्तरंजन कर, अंक–1, रायपुर, 20–24, 1994.
5. कार्यालयीन हिंदी में शैलीगत औपचारिकता : सहलेखक– चित्तरंजन कर, 'भाषा', केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, अंक–2, वर्ष–35, नवंबर–दिसंबर 1995.

6. छत्तीसगढ़ी नाम धातु : सहलेखक– चित्तरंजन कर 'संप्रेषण', संपा.–चित्तरंजन कर, शोध एवं अनुसंधान विकास केन्द्र, रायपुर, अंक–7, वर्ष–4,जनवरी–जून, 3–7, 1998.
7. पढ़ई–लिखई अउ नारी परानी : 'सर्वहारा' (छत्तीसगढ़ी की कला–संस्कृति–साहित्य की प्रथम पाक्षिक), रायपुर, संपा. पंचराम सोनी, रायपुर 18, 15 अगस्त 2001.
8. छत्तीसगढ़ी की लोकगाथाओं में नारी के विविध रूप : 'परिक्रमा' कला, साहित्य, संस्कृति की त्रैमासिक पत्रिका, संपा. अर्चना पाठक, रायपुर, 46–47, नवंबर 2001.
09. भारतीय संस्कृति के विकास में महिलाओं का योगदान : ऋचा–शक्ति, महिलाओं की त्रैमासिक पत्रिका, संपा. शांति यदु, रायपुर, वर्ष–16, अंक–1, 2, 19–20, 2002.
10. **Editor : 'Souvenir' Dr. Shail Sharma/Dr. Abha R. Pal, National Seminar on the Emerging Challenges Before Indian Women, (11, 12. 13.12.2001). Organised : Centre for Women's studies, Pt. Ravishankar Shukla Unversity, Raipur (C.G.).**
11. हिंदी में पदक्रम का महत्व : सहलेखन – चित्तरंजन कर, शोध–प्रकल्प, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल, संपा. सुधीर शर्मा, अंक–20–21, संख्या–4 एवं 5, 18–19 नवंबर, 2002.
12. पं. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में दलित चेतना : सहलेखन– लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा, डॉ. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान शोध–पत्रिका, नई दिल्ली, वर्ष–12, अंक–12, 64–71, 2004.
13. वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिंदी : वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली और बख्शी सृजनपीठ, रायपुर के संयोजन से 'त्रिवेणी' पत्रिका (संपा. श्री बबन प्रसाद मिश्र), 40–41, 2005.
14. 'साहित्य जगत का जाज्वल्यमान नक्षत्र : मोहन राकेश', राष्टसेतु, अंक–13 (जुलाई–सितम्बर) 2013, ISSN- 2320-3455
15. 'हबीब तनवीर और रंगमंच' **राष्टसेतु, अंक–20 वर्ष 6** (अप्रैल–जून) 2015, पृ. 41–43 ISSN- 2320-3455
16. 'छत्तीसगढ़ी वाक्य–संरचनाओं का विश्लेषण', Gurukul Shodh Srijan, अंक–3, भाग–3, वर्ष– 2016, सह लेखक : गिरजा शंकर गौतम, पृ. –71–75,

ISSN-2349-9702

16. पूर्वी हिंदी की बोलियों के सर्वनामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन', सह लेखक : गिरजाशंकर गौतम, International Journal of Research in Social Sciences, Vol. 8 ISSUE 9 (1) September 56-61, 2018, ISSN : 2249-2496
17. 'छत्तीसगढ़ी एवं भोजपुरी भाषा की शब्द–रचना', सहलेखक : शारदा सिंह, International Journal of Reviews and Research in Social Sciences IJRRSS Vol -7 (Janvary-March) 2019, Page- 221-224, ISSN - 2347-5145
18. छत्तीसगढ़ी लोक–गाथाओं में राम, सहलेखकः ज्योतिबाला साहू, Unmilan (UGC Care Journal) Vol-23 Issue (04) April-2020, page 388-393, ISSN : 0974-0053.

10. शोध–निर्देशन

(क) पी–एच.डी. (स्वीकृत) : निर्देशक

1. हिंदी नवगीतों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – कृष्ण कुमार ठाकुर, 2000.
2. जैन–धर्म की विशिष्ट शब्दावली का समाजभाषिक तथा भाषाशास्त्रीय अध्ययन – श्रीमती सरिता चौधरी, 2001.
3. छत्तीसगढ़ के व्यंग्यपरक हिंदी उपन्यासों की रचनाधर्मिता – अमिनेष सुराना, 2005.
4. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य का शैलीभाषिक अध्ययन – श्रीमती सुनीता त्यागी, 2006.
5. 'छत्तीसगढ़ मित्र' के संदर्भ में आधुनिक हिंदी दैनिक समाचार–पत्रों की भाषा – रश्मि पॉल, 2008.
6. छत्तीसगढ़ी और सरगुजिहा का तुलनात्मक अध्ययन – सुधीर पाठक, 2012.
7. श्री लाल शुक्ल के उपन्यासों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – श्रीमती माया नायर, (26.04.2010).
8. अमृता प्रीतम के हिंदी उपन्यासों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन (धरती, सागर और सीपियाँ तथा पिंजर के विशेष संदर्भ में)– श्रीमती दुर्गावती शर्मा (26.04.2010).

(क) पी–एच.डी. (स्वीकृत) : सह निर्देशक

1. सत्यभामा आडिल की आंचलिक कहानियों का समाजषास्त्रीय अध्ययन : सुश्री इरावतभूषण परगनिहा (सह–निर्देशक के रूप)
2. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी का साहित्यिक मूल्यांकन : श्रीमती सीमा चंद्राकर (सह–निर्देशक के रूप)
3. प्रभा खेतान एवं मैत्रेयी पुष्पा के प्रतिनिधि उपन्यासों में अभिव्यक्त नारी चेतना का तुलनात्मक अध्ययन : तिजेश्वर प्रसाद टंडन (सह–निर्देशक के रूप)

(ग) पी–एच.डी. (शोधरत) : निर्देशक

1. 'पूर्वी हिंदी की बोलियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन' : डॉ. गिरजा शंकर गौतम
2. 'छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन' : शारदा सिंह
3. केयूरभूषण के उपन्यासों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन : कु. अनुपूर्णा उपध्याय, रजिस्टेशन दिनांक : 19.02.2018,

(ड.) पी–एच.डी. (शोधरत) : सहनिर्देशक

1. छत्तीसगढ़ की महिला साहित्यकारों के हिंदी गद्य–साहित्य में नारी विमर्श : कु. शैली ओझा
2. Translation, Interpretation and Analysis of the Oraon Tribal Poet Dawle Kujur's Munta Poonp Jhumpa (Bunch of First Flowers) : Laigen Minj , Supervisor : Dr. Savita Singh, 10.01.2017
3. A Postmodern Study of Neil Gaiman's Select Novels : Chandan Kumar Chhedaiya, Supervisor : Dr. Savita Singh, 10.10.2018

(ग) एम.फ़िल. (भाषाविज्ञान) (स्वीकृत)

1991

1. 'स्वप्नवासवदत्तम' के संज्ञावाची पर्यायों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : कु. अनीता दास.
2. 'उत्तररामचरितम' में प्रयुक्त व्यक्तिवाचक नामों का पर्यायमूलक अध्ययन : कामता प्रसाद दुबे.
3. विश्वविद्यालय कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी के पारिभाषिक शब्दों का शैलीपरक अध्ययन : रमेश भगत.

1992

1. 'उर्वशी' के पर्यायवाची संज्ञा–शब्दों का अर्थपरक अध्ययन : चिरंजीव लाल तिवारी.
2. 'छत्तीसगढ़ी वाक्य–विन्यास' : कुमारी डेमांजलि वर्मा.
3. 'सुबह की तलाश' में हिंदीतर प्रभाव : राजेन्द्र कुमार वर्मा.

1993

1. 'सारा आकाश' में द्विरूक्तियाँ : कु. अनुराधा मढ़रिया.
2. 'छत्तीसगढ़ी पहेलियों' का शब्दपरक अध्ययन : हीरालाल साहू.
3. 'गुंजन' में पर्यायों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : कु. इंदु चन्द्राकर.

1994

1. 'राउत नाचा' के दोहों का अर्थपरक विवेचन : राजेश कुमार दुबे.
2. छत्तीसगढ़ी में द्विरूक्ति : खेदूराम ठाकुर.
3. छत्तीसगढ़ी पर्वगीतों का शैलीपरक अध्ययन : जागेश्वर प्रसाद कैवर्त्य.

1995

1. 'आधे–अधूरे' का संप्रेषणपरक विश्लेषण : कु. रीता यदु.

1996

1. 'छत्तीसगढ़ी' के ध्वन्यात्मक शब्द : अनिल कुमार मानिकपुरी.

1997

1. 'गोदान' में द्विरूक्ति : कुमारी राजेश्वरी साहू.

1998

1. 'वाहनों' पर लिखी उक्तियों की समाजभाषिकता : शिवशंकर यादव.

1999

1. 'अंधायुग' का भाषा वैशिष्ट्य : लोमस दास वैष्णव.

2000

1. 'चन्द्रगुप्त' का शैलीभाषिक अध्ययन : कु. ज्ञानेश्वरी नौरंगे.
2. 'विनयपत्रिका' का शब्दगत वैशिष्ट्य : कु. पुष्पा पटेल.

2001

1. दूरदर्शन विज्ञापन के विशेषण : कु. बी. माधवी.
2. मुरिया जाति के व्यक्तिनामों का शब्दवैज्ञानिक अध्ययन (विशेष संदर्भ–किरंदुल) कु. मुक्ता ठाकुर.

3. 'विनयपत्रिका' के पर्याय : मोमन साहू.

2002

1. 'गोदान' में मुहावरे : सुशांत चक्रवर्ती.

2003

1. 'जीवन राग' का शैलीपरक अध्ययन : ओम प्रकाश गेन्ड्रे.
2. बसंत देशमुख के काव्य का शैलीभाषिक अध्ययन : रूबी पॉल.
3. पद्मावत के प्रतीकों का अर्थपरक अध्ययन : श्रद्धा मेश्राम.
4. हरिवंशराय बच्चन कृत 'मधुकलश का शब्द सामर्थ्य' : सुखविन्दर कौर.
5. वंशनाम का भाषा वैशिष्ट्य : वीणा बिसेन.
6. शिवशंकर पटनायक के कथा–संग्रह पलायन पर अँगरेज़ी प्रभाव : ताराचंद साहू.

2007

1. हिंदी समाचार–पत्रों में विज्ञापन की भाषा (छत्तीसगढ़ से प्रकाशित हिंदी समाचार–पत्रों के विशेष संदर्भ में) : कु. रुमिता शर्मा.
2. 'स्वप्नवासवदत्तम्' की सूक्तियों का अनुशीलन : कु. हेमलता साहू.
3. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' की सूक्तियों का अर्थ–वैशिष्ट्य : चंद्र प्रकाश राय.
4. 'हयवदन' नाटक में अभाषिक संप्रेषण का विश्लेषण : उत्तम कुमार बंजारे.

2008

1. नीतिशतकम् के संज्ञा–शब्दों का अर्थपरक अध्ययन : कु. पद्मावती उपाध्याय.
2. उत्तररामचरितम् के संबोधन–पद : कु. रजनी चौधरी.

2009

1. मृच्छकटिकम् की सूक्तियों का अनुशीलन : कु. वंदना कर्राहे.
2. छत्तीसगढ़ी और उड़िया में क्रिया–पद संरचना का तुलनात्मक अध्ययन : श्रीकांत महान्ति.

2010

1. मृच्छकटिकम् का समाजभाषिक अध्ययन : कु. योगिता देवी.
2. मोहर राकेश कृत 'आधे–अधूरे' का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन : सूरज कुमार देवांगन.

2011

1. 'चाक' का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन : श्रीमती शुचिता देशमुख.
2. 'रागदरबारी' का शैलीभाषिक अध्ययन : कु. के. लक्ष्मी.

2013

1. छत्तीसगढ़ में संस्कृत के आगत शब्दः कु. ममता आर्य

2014

1. श्री लाल शुक्ल के उपन्यास राग दरबारी का शब्दवैज्ञानिक अध्ययनः श्रीमती शारदा सिंह
2. पंथी गीतों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन– कु. संतोष करसायल
3. A Critical Study of the Structure and formation facebook language : अंकिता दयलानी
4. Phonological problems of Hindi medium students in speaking English : श्वेता दयलानी

2016

1. 'अहिल्याबाई उपन्यास का समाजभाषा वैज्ञानिक अध्ययनः मनोहर दास
2. ऊँच–नीच का समाजभाषा वैज्ञानिक अध्ययनः प्रवीण वर्मा
3. धर्मवीर भारती के उपन्यास 'गुनाहों का देवता' का शब्दवैज्ञानिक अध्ययन : रमा साहू
4. A Sociolinguistics study of the lowland A Novel By Jhumpa Lahiri :

2017

1. छत्तीसगढ़ी में विज्ञापन की भाषाः तेजकुमार पटेल
2. छत्तीसगढ़ के सतनाम पंथ की शब्दावलीः योगेश्वरी कुर्रे

2018

1. छत्तीसगढ़ी की सांस्कृतिक शब्दावली का शब्द वैज्ञानिक अध्ययनः तरूण कुमार
2. लरिया बोली का शब्दवैज्ञानिक अध्ययनः अजय कुमार पटेल
3. छत्तीसगढ़ की ग्राम्य जीवन की शब्दावलीः बलीराम जाँगड़े
4. छत्तीसगढ़ी विवाह गीतों की शब्दावलीः दीपमाला शर्मा

2019

1. भूलनकांदा का शब्दवैज्ञानिक अध्ययनः सुनीता

(घ) एम.फ़िल. (हिंदी) लघु शोध–प्रबंध

2003

1. रागदरबारी उपन्यास का साहित्यिक अनुशीलन : चीमन कुमार हिरवानी.

2. राम की शक्ति पूजा का शैलीपरक अध्ययन : धर्मवीर प्रधान.
3. छत्तीसगढ़ के समकालीन काव्य परिदृश्य के संदर्भ में रजत कृष्ण की कविताओं का विवेचन : दीनबंधु निराला.
4. 'होना सब कुछ और न होना कुछ भी' का साहित्यिक मूल्यांकन (काव्य–संग्रह : प्रेम दुबे) : गिरजा शंकर गौतम.
5. विकलांग श्रद्धा का दौर और हरिशंकर परसाई की व्यंग्य शैली : झरना मुखर्जी.
6. डॉ. स्नेहलता पाठक के व्यंग्य साहित्य का अध्ययन (''बाकी सब ठीक है'' के विशेष संदर्भ में) : जीतेन्द्र कुमार बंजारी.
7. विनोद शंकर शुक्ल के व्यंग्य संग्रह 'कबिरा खड़ा चुनाव में' के विशिष्ट व्यंग्यों का अनुशीलन : प्रकाश चंद्र सतपथी.
8. छत्तीसगढ़ी लोकगीतों का परिचय : सविता वर्मा.

2004

1. साहित्यिक पत्रिका के रूप में 'सूत्र का मूल्यांकन' : कु. मीनाक्षी पांडे.
2. 'सुदामा पांडे का प्रजातंत्र' का साहित्यिक अनुशीलन (काव्य–संग्रह : सुदामा पांडे 'धूमिल') : कु. नम्रता ध्रुव.
3. डॉ. सत्यभामा आडिल के काव्य 'क्वांर की दुपहरी' में दलित चेतना : कु. रमणी चन्द्राकर.
4. 'दादा कामरेड' के नारी–पात्रों में यशपाल का मार्क्सवाद : सचिन कुमार यादव.

2005

1. विनोद शंकर शुक्ल के व्यंग्य–संग्रह अस्पताल में लोकतंत्र का अनुशीलन : कु. चंद्रावती कुशवाला.
2. संतोष झाँझी के उपन्यास 'सरहदें आज भी' का साहित्यिक अनुशीलन : कु. शशि मिश्रा.
3. विष्णु प्रभाकर का कहानी–संग्रह 'मैं नारी हूँ' का साहित्यिक अनुशीलन : कु. मीना.
4. तीसरा किनारा के कथा तत्वों का अनुशीन (विशेष संदर्भ : स्वराज प्रसाद द्विवेदी) – श्रीमती अरुणा तिवारी.
5. दोपहर में गाँव : एक अनुशीलन (जयप्रकाश मानस का ललित निबंध – संग्रह) : कु. एस. सरिता.

6. छत्तीसगढ़ी कहानियों का स्वरूप : ओमेंद्र सिंह उइके.
7. छत्तीसगढ़ी नाटकों का रंगमंचीय अनुशीलन : कु. देवमाईत लकड़ा.
8. 'अनकहा सच' उपन्यास का साहित्यिक अनुशीलन : गोखलेश कुमार देशमुख.

2006

1. प्रदीर्घ छत्तीसगढ़ी कविता 'अरपा नदिया' का अनुशीलन : कृष्णा राम भुआर्य.
2. 'कथा–यात्रा' कहानी–संग्रह का अनुशीलन (संपा. रमेश नैयर) : कु. आस्था दीवान.

2007

1. साकेत में उर्मिला का चरित्र–चित्रण : कु. हेमलता चंद्राकर.
2. चंद्रगुप्त नाटक के प्रमुख पात्रों का साहित्यिक अनुशीलन : कु. लक्ष्मी जम्बूलकर.
3. चित्रलेखा का साहित्यिक अनुशीलन : कु. शारदा सिंह.
4. आपका बंटी का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण : कु. भावना श्रीवास्तव.
5. देख रे आँखी सुन रे कान का समीक्षात्मक अध्ययन : चंद्रशेखर देवांगन.
6. संकट मोचन का समीक्षात्मक अनुशीलन : श्रीमती उर्मिला बेहेरा.
7. 'सारा आकाश' का साहित्यिक अनुशीलन : कु. हीरा वर्मा.

2008

1. प्रभा खेतान के उपन्यास छिन्नमस्ता में नारी–विमर्श : कु. कविता वैष्णव.

2009

1. राग दरबारी उपन्यास में वर्णित समाज : कु. शांता तिर्की.
2. निर्मला वर्मा के उपन्यास 'वे दिन' का साहित्यिक अनुशीलन : कु. कनिका विश्वास.

2010

1. निरूपमा शर्मा के काव्य का अनुशीलन : श्रीमती किरण गुप्ता.
2. 'रंगभूमि' उपन्यास में वर्णित समाज : संजय कुमार.
3. मुक्तिबोध के 'अंधेरे में' का काव्यगत वैशिष्ट्य : कु. वर्षा.

2011

1. पद्मविभूषण श्री हबीब तनवीर के 'बहादुर कलारिन' नाटक का अनुशीलन : कु. मीना बंजारे.

2012

1. मारवाड़ी के संस्कार एवं पर्वगीत (जोधपुर जिले के विशेष संदर्भ में) : वर्षा अग्रवाल
2. भोजपुरी लोकगीतों में धार्मिक आस्था : सत्यभामा मिश्रा

2013

1. छत्तीसगढ़ मेंसंस्कृत के आगत षब्द : कु. ममता आर्य

2014

1. श्री लाल शुक्ल के उपन्यास 'राग दरबारी' का शब्दवैज्ञानिक अध्ययन

2015

1. 'A Sociolinguistics Study of the Lowland' ANovel by Jhumpa Lahiri : Sonam Shrivastava
2. अहिल्याबाई का समाजभाषा वैज्ञानिक अध्ययन : मनोहर दास
3. 'ऊँच–नीच' का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन : प्रवीण शर्मा

2016

1. 'केयूर भूषण की छत्तीसगढ़ी कविता–संग्रह लहर' का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन
2. छत्तीसगढ़ी में विज्ञापन की भाषा : तेजकुमार पटेल
3. छत्तीसगढ़ के सतनाम पंथ की शब्दावली : योगेश्वरी कुर्रे

2017

1. नसिरा के उपन्यास 'पारिजात' का साहित्यिक अनुशीलन : प्रगति सक्सेना
2. 'बाकी धुआँ रहने दिया' कहानी –संग्रह में भूमंडलीकरण : अनवर खान

2018

1. 'गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिंदुस्तान' उपन्यास में विभाजन की त्रासदी : मासूम वर्मा
2. 'लरिया बोलीह का शब्दवैज्ञानिक अध्ययन' : अजय कमार पटेल
3. ' छत्तीसगढ़ की ग्राम्य जीवन की शब्दावली : बलीराम जांगडे
4. 'छत्तीसगढ़ी विवाह गीतों की शब्दावली' : दीपमाला शर्मा

11. संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में शोध–पत्र वाचन

(क) संगोष्ठी

1. हिंदी की बोलियों का अंतर्संबंध (कारक रूपों के संदर्भ में) – राष्ट्रीय संगोष्ठी, बिलासपुर, दिसंबर 27–28, 1995.

2. नागरी लिपि की वैज्ञानिकता – नागरी लिपि परिषद, रायपुर, 17, 18, 19, 1998.
3. छत्तीसगढ़ की लोकगाथाओं में नारी के विविध रूप – भारतीय महिलाओं के समक्ष उभरती हुई चुनौतियाँ – राष्ट्रीय संगोष्ठी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, दिसंबर 11, 13, 2001.
4. हिंदी में महिला लेखन : स्वरूप एवं संभावनाएँ – राष्ट्रीय संगोष्ठी, महिला महाविद्यालय, रायपुर, फरवरी 27–28, 2002.
5. स्वांतत्र्योत्तर छत्तीसगढ़ की राजनीति में महिलाएँ : छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय संगोष्ठी, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.), 27–28 मार्च, 2004.
6. आधुनिक समाज की नारी–चेतना : महत्वाकांक्षाओं का दबाव एवं बदलते जीवन मूल्य, राष्ट्रीय संगोष्ठी, डॉ. खूबचंद बघेल, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई–3, दुर्ग, 13–14 फरवरी, 2007.
7. लोकदेवी महादेवी, महादेवी जन्मशताब्दी समारोह, छत्तीसगढ़ संस्कृत परिषद, कोरबा इकाई, 15 फरवरी, 2007.
8. सामाजीकरण और हिंदी, **Cast, Class and Gender in Rural India. The Presective of Social Change,** राष्ट्रीय संगोष्ठी समाजशास्त्र अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, र ायपुर, 27–28 फरवरी, 2008.
9. हिंदी का आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण की चुनौतियाँ और हिंदी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.), 2–3 फरवरी, 2008.
10. छत्तीसगढ़ मित्र और उसकी भाषा, राष्ट्रीय संगोष्ठी, माधवराव सप्रे जयंती समारोह, पं. माधवराव सप्रे शोध–केंद्र, रायपुर, 18 जून, 2008.
11. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सांस्कृतिक विमर्श, राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.), 25 अगस्त, 2008.
12. कामकाजी महिलाओं के पारिवारिक संबंध, विसंगतियाँ तथा उनके कारण (विशेष संदर्भ – बैंकों में कार्यरत महिलाएँ), **"Changing Perspectives of Home Science"** कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, देवेन्द्र नगर, रायपुर, 6–7 नवंबर, 2008.

13. हिंदी और भारतीय भाषाओं का अंतःसंबंध वैश्वीकरण के युग में भारतीय भाषाओं का सिमटता संसार, राष्ट्रीय संगोष्ठी, शास. जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर, 9–10 दिसंबर, 2009.
14. बहादुर कलारिन में नारी–चेतना : समकालीन हिंदी नाटक और हबीब तनवीर का रंगकर्म, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर, दुर्ग, 28–29 अक्टूबर, 2010.
15. भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा एक दृष्टिकोण : स्वामी विवेकानंद : विवेकानंद और भारत तत्व, स्वामी विवेकानंद के 150वीं जयंती पर, राष्ट्रीय संगोष्ठी, विवेकानंद विद्यापीठ, रायपुर, 28–29 मार्च, 2011.
16. राष्ट्रभाषा के संवर्धन में नागरी लिपि का योगदान, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 8 अप्रेल, 2011.
17. जनकवि केदारनाथ अग्रवाल की सौंदर्य एवं समष्टि दृष्टि, राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.), 15–16 दिसंबर, 2011.
18. छत्तीसगढ़ी लोकगाथाओं में नारी के विविध रूप : लोक–साहित्य की भारतीय अवधारणा एवं नारी–जीवन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, शास. दिग्विजय महाविद्यालय, राजनाँदगाँव, 3–4 फरवरी, 2012.
19. 'हबीब तनवीर और छत्तीसगढ़ी नाटक' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.), 26–28 फरवरी 2012.
20. छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी का तुलनात्मक अध्ययन; छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी का भाषाई एवं सांस्कृतिक अंतर्संबंध, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर, दुर्ग, 4–5 मार्च, 2012.
21 हिंदी और लोकभाषाएँ (संबंध एवं संपर्क) राष्ट्रीय संगोष्ठी केंद्रीय हिंदी निदेशालय, (उच्चतर शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वाधान में 29 फरवरी 2016. 02 मार्च 2016.
22 आधुनिक मीराः महादेवी, राष्ट्रीय संगोष्ठी WOMENAS LEADERS: ROLES ISSUES AND CONSERNS, Centre for Women Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.), 5-7 February 2014.

23. 'गाँधी और आधुनिक भारत' राष्ट्रीय सेमिनार, आयोजक– अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, 11–13 सितंबर, 2019

(ख) कार्यशालाएँ

1. काव्य शिक्षा पर केंद्रित कार्यशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, जुलाई 9–10, 2001.
2. प्रयोजनमूलक हिंदी पर कार्यशाला, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 18–19 नवंबर, 2004.
3. पत्रकारिता प्रशिक्षण पर कार्यशाला, शास. दू.ब. महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.), 1–10 दिसंबर, 2004.
4. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित
5. हिंदी साहित्य उन्मुखीकरण कार्यशाला, इंदिरा गाँधी अंतरराष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा), 14–15 मार्च, 2005.
6. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक एवां तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मलाजखंड में, 2–3 जून, 2007.
7. हिंदी भाषा एवं साहित्य, कर्मचारी चयन आयोग,(म. प्र. क्षेत्र) 31अगस्त एवं 01 सितंबर, 2012
7. 'छत्तीसगढ़ी का मानकीकरण' 20–26 सितंबर 2013, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

12. विषय विशेषज्ञ

1. संयोजक : रिफ्रेशर कोर्स (हिंदी), पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 4–24 नवंबर, 2012.
2. हिंदी भाषा एवं साहित्य, एक दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला, कर्मचारी चयन आयोग (म.प्र. क्षेत्र), रायपुर, भारत सरकार, 23 जून, 2012.
3. छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी का भाषायी एवं सांस्कृतिक अंतरसम्बन्ध, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 04–05 मार्च 2012, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भोपाल एवं कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई
4. 'हिंदी दिवस समारोह', मुख्य अतिथि,, भारतीय रिजर्व बैंक रापुर 14 सितंबर 2018
5. राजभाषा अधिनियम, मुख्य अतिथि, यूनाइटेड इण्डिया इंश्यूरेंस कंपनी लिमिटेड, रायपुर दिसंबर 2018

6. मानकीकरण, मुख्य वक्ता अधीक्षण पुरातत्वविद् भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, रायपुर मण्डल 'पूर्वायतन', 18 जनवरी 2019

13. आकाशवाणी प्रसारण

1. चिंतन – 12
2. वार्ता – 1. पढ़ई–लिखई अउ नारी परानी,
   छत्तीसगढी, रायपुर, 2 फरवरी, 1996.
   2. आवव सुनन कहानी
   छत्तीसगढ़ी, रायपुर, 27 फरवरी, 1997.
   3. शिक्षा जीवन की महती आवश्यकता
   रायपुर, 27 जुलाई, 2001.
   4. रिश्तों का आधार प्रेम
   रायपुर, 14 फरवरी, 2002.
   5. राष्ट्रभाषा हिंदी
   रायपुर, 13 सितंबर, 2003.
   6. हमर राजभाषा हिंदी
   रायपुर, 13 सितंबर, 2004.
3. परिचर्चा – साथी हाथ बटाए तो घर सुखमय बन जाए,
   रायपुर, 30 जनवरी, 2003.
4. कहानी – 'तिजाही लुगरा' (लोकाक्षर – सितंबर–दिसंबर (सं.) नंद किशोर तिवारी, 2004, बिलासपुर).
5. वार्ता – प्रेमचंद की प्रासंगिकता, 31 जुलाई, 2008.
6. परिचर्चा – छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य में सुख–दुख,
   27 अक्टूबर, 2009.

14. विविध

ORIENTATION/REFRESHER COURSE

1. **Attended 22nd Orientation Course : 22.3.1993 to 17.4.1993 (From Academic Staff College Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur, M.P.)**
2. **Refresher Course : 6.2.1995 to 26.2.1995 (From Central Institute of English and Foregion Languages, Hyderabad.)**

3. **Refresher Course : 13.11.1995 to 3.12.1995**
   'हिंदी भाषा एवं साहित्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' भाषाविज्ञान एवं भाषाएँ अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.
4. 'प्रथम उन्मुखीकरण–हिंदी पाठ्यक्रम' 14–15 मार्च, 2005, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा).

15. अकादमिक

1. सहायक संरक्षिका – महिला छात्रावास, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1995–1997).
2. सहायक केंद्राध्यक्ष – वार्षिक परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1998).
3. सहायक केंद्राध्यक्ष – वार्षिक परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (2002).
4. सहायक केंद्राध्यक्ष – वार्षिक परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (2004).
5. सहायक केंद्राध्यक्ष – वार्षिक परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (2005).
6. पर्यवेक्षक – चाणक्य कॉलेज ऑफ कामर्स एण्ड बिजनेस एजुकेशन, रायपुर, (2006).
7. नवीन महाविद्यालय खोलने के लिए सत्र 2006–07 के लिए हिंदी विषय में विशेषज्ञ मनोनीत.
8. वार्षिक परीक्षा प्रश्न–पत्र समन्वयक, प्रश्न–पत्र वितरण केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2007.
9. उपाधि प्रकोष्ठ प्रभारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2007.
10. वार्षिक परीक्षा प्रश्न–पत्र समन्वयक, प्रश्न–पत्र वितरण केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2008.
11. सहायक केंद्राध्यक्ष, सेमेस्टर परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2008.
12. केंद्राध्यक्ष, बी.पी.टी. परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2009.

13. सहायक केंद्राध्यक्ष, सेमेस्टर परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2009.

14. विषय विशेषज्ञ, प्रश्न बैंक कार्यशाला, कर्मचारी चयन आयोग, (म. प्र. क्षेत्र) 2012

15. अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, जुलाई 2013–जून 2016

16. अध्यक्ष, भाषाविज्ञान अध्ययनमंडल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

17. कलासंकाध्यक्ष, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2016–2018

18. सदस्य, भाषा विशेषज्ञ, भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रायपुर, 2015 से अब तक

19. सदस्य, निर्णय मंडल, संस्कृत भाषा सम्मान, राज्य शासन, उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़, 2016

19. अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, अप्रैल 2018–अब तक

20. अध्यक्ष, महिला उत्पीड़न रोकथाम प्रकोष्ठ, 2019

21. सदस्य, विभागीय शोध–समिति, शासकीय दु. ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर

22. मादक निदेशक, संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

16. आयोजक

1. रिफ्रेशर कोर्स हिंदी : 04. 11.2011 से 24.11.2011.
2. रिफ्रेशर कोर्स हिंदी : 02. 07.2014 से 22.07.2014.
3. राष्ट्रीय संगोष्ठी : 'हिंदी और लोक भाषाएँ, (केंद्रीय हिंदी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) : 29.02.2016 से 02.03.2016.
4. एक दिवसीय संगोष्ठी : 'सुरता बाबू रेवाराम' भाग दो, (पं. दीनदयाल शोध सेवा संस्थान, रायपुर) : 02.05.2018
5. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी : 'भाषा, साहित्य और भाषाविज्ञान' (पूर्व छात्र मिलन समारोह), 21.09.2019 एवं 22.09.2019.
6. त्री दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (यू. जी.सी. द्वारा प्रायोजित) : हिंदी साहित्य और गाँधीवाद, 22.10.2019 से 24.10.2019
7. सात दिवसीय व्याख्यान माला : आचार्य श्रीराम परिहार, खण्डवा, 01.11.2019 से 07.11.2019
8. एक दिवसीय संगोष्ठी : राष्ट्रीय शिक्षा दिवस,

(राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से), 11.11.2019

9. अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : 22.02.2020

10. एक दिवसीय व्याख्यान : गीताश्री के कहानियों 'लिट्टी चोखा' पर परिचर्चा, 17.02.2020

17. सम्मान

1. **सृजन सम्मान, पंचम अखिल भारतीय साहित्य महोत्सव, रायपुर, 2005.**
2. **राष्ट्रभाषा सेवक सम्मान, छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, रायपुर, 2007.**
3. **राष्ट्रभाषा–अलंकरण 2019, छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, रायपुर,** (संबंध राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा)